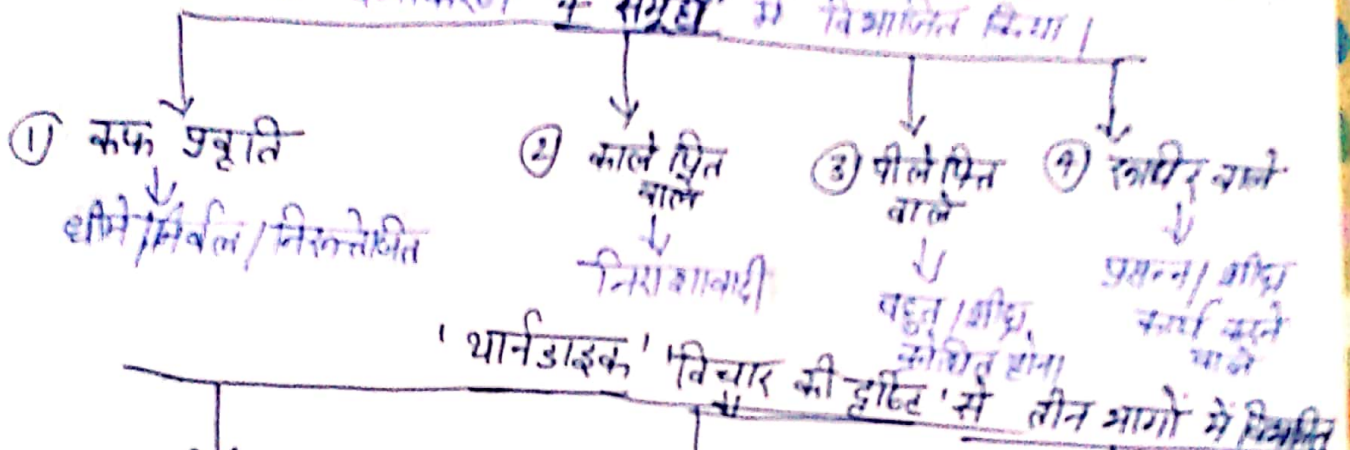


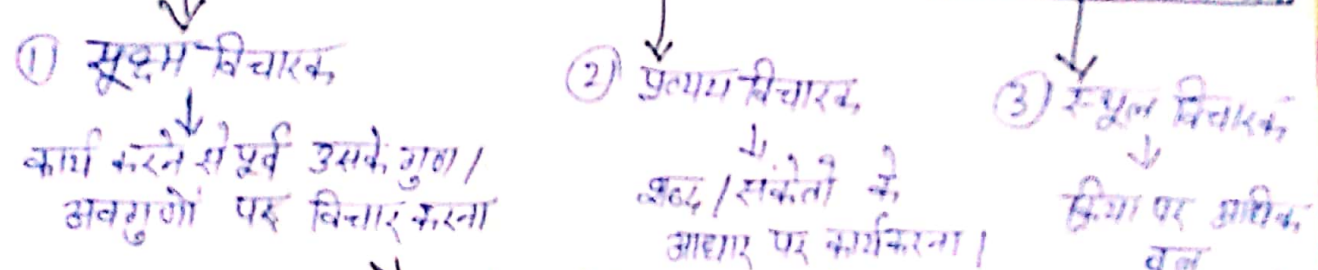
Topic - Types of Personality

प्राचीन समय से ही व्यक्तित्व का वर्गीकरण किया है। प्राचीन धर्मशास्त्रों में सात्त्विक, राजसी, तामसी मेलन का वर्णन किया। और व्यक्तित्व भी 'तीन प्रकार' के बताये।

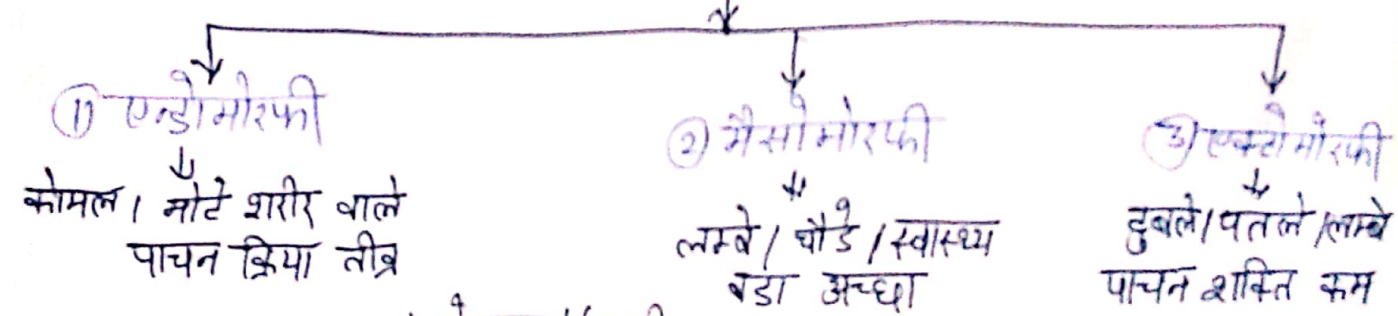
'हिप्पोक्रेटस'। गॉलीन ने 'शारीरिक द्रव्यो' के आधार पर व्यक्तित्व का वर्गीकरण '4-समूहों' में विभाजित किया।



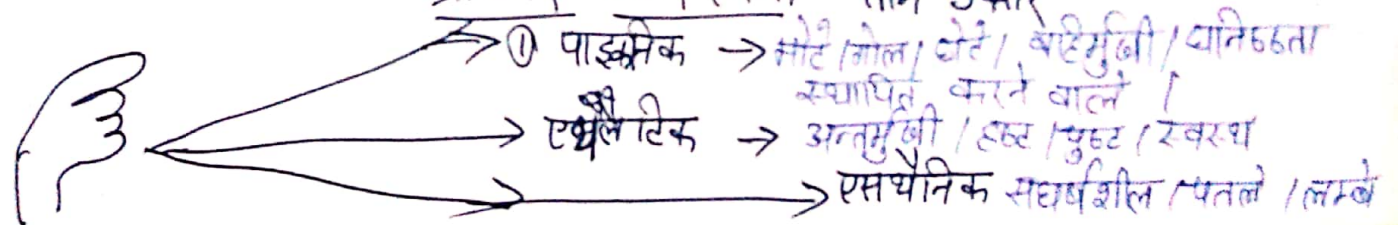
'थॉर्नडाइक' 'विचार की दृष्टि' से तीन भागों में विभक्त



'शैल्डन' 'शारीरिक गुणों' के आधार पर 3 भागों में विभक्त



'क्रेश्मर' 'शारीर स्थना' तीन प्रकार



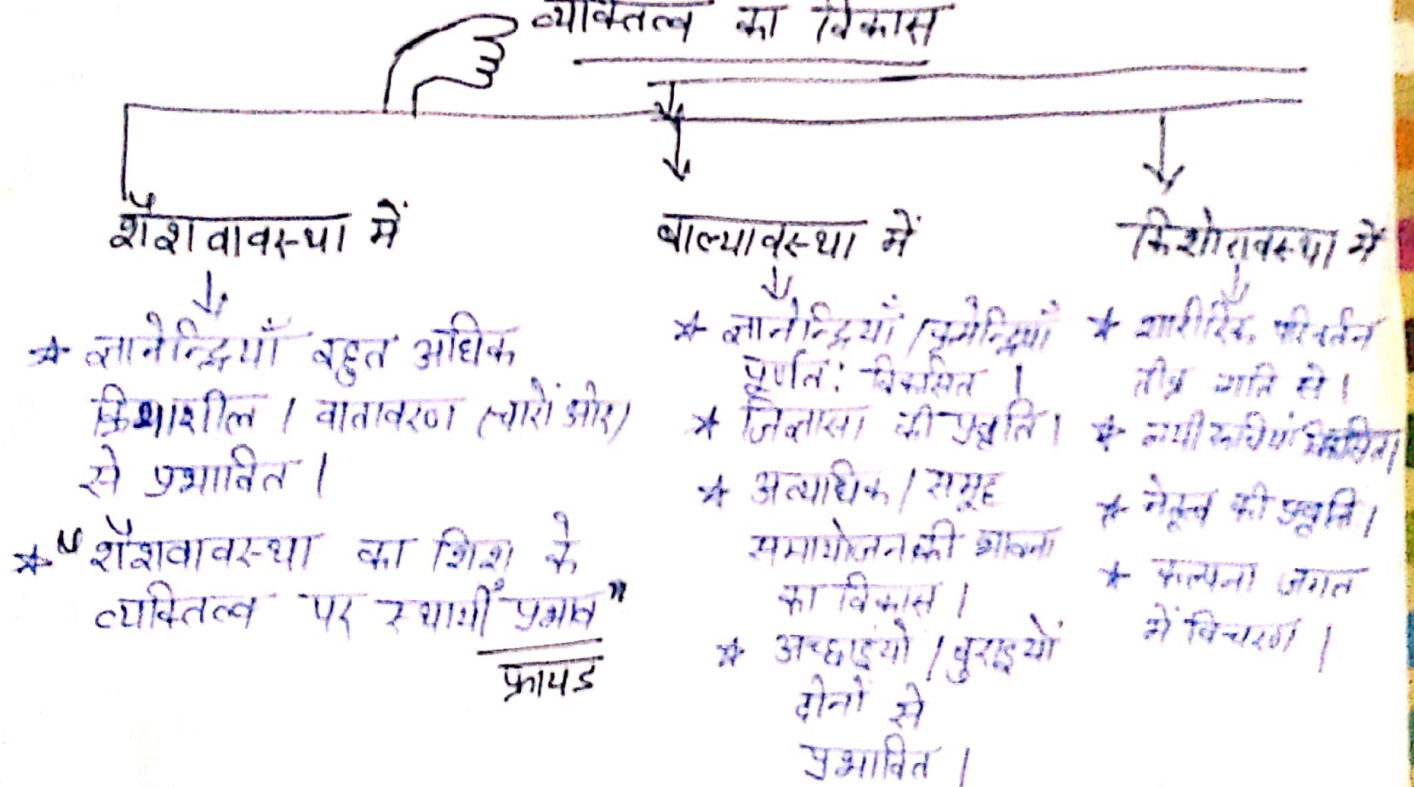
स्वैंगर कार्य । स्थिति के आधार पर है : भाग

- ① सैद्धान्तिक — शारीरिक और चैतन्यिक और शक्ति के पुष्पारी ।
- ② आर्थिक — व्यापारी श्रेणी । हर नेतृ का कल्याण आर्थिक दृष्टि से ।
- ③ धार्मिक — सन्त, महात्मा, पुजारी और स्वयं जीवन जीने वाले ।
- ④ कलात्मक — कला प्रेमी, कलाकार ।
- ⑤ सामाजिक — समाज सुधारक । सामाजिक कार्यकर्ता ।
- ⑥ राजनैतिक — राजनीतिज्ञ । दूसरों पर सत्ता और प्रभुत्व स्थापित करने वाले ।

जुंग (1907) 'मनोवैज्ञानिक दृष्टि' व्यक्तित्व तीन प्रकार

- ① बहिर्मुखी
↓
व्यवहारकुशल / अभावहीन / अपने हितों का बलिदान करने में सदैव तत्पर
- ② अन्तर्मुखी
↓
लज्जालु / चिंताग्रस्त / शीघ्र धारणा वाले स्वभाव आशावादी
- ③ उपग्रह
↓
बहिर्मुखी / अन्तर्मुखी दोनों के ही गुण

व्यक्तित्व का विकास



B.R.C. Praband
ANIS Puro - Sapna
Sujagi